बृहस्पतिवार **34 साल से देहरादून का विश्वास**

12 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 47
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

साांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक-एक सवाल का देंगे जवाब: सीएम

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा में प्रश्न काल को लेकर बचने वाले सीएम पुष्कर सिंह धामी चुनावी साल में एक्टिव हो गए है और उन्होंने विधानसभा के बजट सत्र में कहा कि वह विपक्ष के हर प्रश्न का जवाब देंगे। उनका कहना है कि विपक्ष

❑विधानसभा में प्रश्न काल को लेकर बचने वाले सीएम धामी चुनावी साल में हो गए हैं 'एक्टिव'
❑बोले-विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देंगे, सरकार ने नहीं किया है कोई भी गलत काम
❑बजट पर चर्चा के बाद नियम 58 के तहत सवालों पर चर्चा संग सदन की कार्यवाही महत्वपूर्ण

जितनी चर्चा चाहता है हम उससे पीछे नहीं हटेंगे। विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देंगे। सरकार ने कोई भी गलत काम नहीं किया है और विपक्ष को उसके हर प्रश्न का सदन के पटल पर मिलेगा। चुनावी साल में सीएम धामी के विधानसभा में एक्टिव होने से विपक्ष बगले झांकने लग गया है। विधानसभा में बजट सत्र का आज चौथा दिन है और सरकार के मंत्री से लेकर सीएम खुद विपक्ष के सवालों का जवाब दे रहे हैं।

बता दें कि प्रश्नकाल के बाद सदन में बजट पर सामान्य चर्चा होगी। बजट पर चर्चा के बाद नियम 58 के तहत लिए गए सवालों पर चर्चा के साथ सदन की कार्यवाही महत्वपूर्ण रहने वाली है। सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अपनी-अपनी राय रखेंगे। प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा भवन के नीचे स्थित सारकोट गांव को गोद लिया था। सीएम ने कांग्रेस के विधायकों से सारकोट गांव भ्रमण करने का आग्रह किया। सीएम ने कहा कि पिछली बार भी हमने आपसे आग्रह किया था। शायद आप में से कुछ साथियों को पहाड़ की पगडंडियों में चलने में दिक्कत होती होगी। मेरा आपसे फिर आग्रह है कि इस बार समय निकालकर सारकोट गांव जरूर जाएं।

आज प्रश्नकाल में अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने पूछा कि प्रदेश में स्वास्थ्य कर्मियों की पेंशन और गोल्डन कार्ड को लेकर था सवाल। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह ने गोल्डन कार्ड के लाभार्थियों आंकड़े गिनाते हुए जवाब दिया। इसके साथ ही अन्य विधायकों के प्रश्नों को भी संबंधित मंत्रियों ने जवाब दिया। सदन में मिलावटी खाद्य पदार्थो पर की गई। विधायक प्रेम चंद्र अग्रवाल, मुन्ना सिंह चौहान सहित अन्य के सवालों के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह कहा कि जल्द ही नियमित जांच शुरू कि जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कर्मचारियों व पेंशनरों के लिए गोल्डन कार्ड पर कैशलेस इलाज पर 771 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसके साथ ही प्रश्न काल में संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा प्रदेश में 500 स्थान पर भूकंप चेतावनी प्रणाली को स्थापित किया जाएगा। 169 स्थान पर लगाए जा चुके हैं और 115 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

गैस की कालाबाजारी के विरोध में लघु व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

हरिद्वार। एलपीजी गैस की काला बाजारी के खिलाफ रेडी पटरी के लघु व्यापारियों ने प्रदर्शन कर रेडी पटरी के व्यापारियों के लिए गैस का अलग से कोटा निर्धारित करने की मांग की।

आज यहां रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में चण्डी चौराहे पर हाथों में एलपीजी गैस के सिलेंडर दर्शाते हुए एलपीजी गैस की कालाबाजारी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया प्रदर्शनकारी लघु व्यापारियों ने शासन प्रशासन से मांग की फुटपाथ पर रेड़ी पटरी के माध्यम से खाने-पीने की भोजन सामग्री बेचने के विक्रेता स्ट्रीट वेंडर्स का भी अलग से कोटा निर्धारित किया जाए ताकि एलपीजी गैस की सप्लाई समय से स्ट्रीट फूड सप्लाई के वेंडर्स को समय से मिल सके।

इस अवसर पर लघु व्यापारी एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को समय से एलपीजी गैस न मिलने के कारण उनके व्यापार पर काफी प्रभाव पड़ रहा है उन्होंने कहा कि गैस की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए शासन प्रशासन को विशेष निगरानी कमेटी का गठन किए जाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा फुटपाथ खाद्यान्न सामग्री बेचने वाले सभी स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को समय से एलपीजी गैस की आपूर्ति मिल सके इसके लिए प्राथमिकता के आधार पर कोटा निर्धारित किया जाना न्याय पूर्ण होगा।

एलपीजी गैस की कालाबाजारी के विरोध में प्रदर्शनकारी लघु व्यापारियों में राजकुमार, कमल, प्रताप सिंह चौहान, शशिकांत, सुनील कुकरेती, लालचंद, विजय गुप्ता, भोला यादव, कपिल कुमार, मोहनलाल, मुन्ना सिंह, जय सिंह, चंदन रावत, सोनू, नईम ,कामिल, श्याम कुमार, फूल सिंह, सुशांत बंगाली,सुमन गुप्ता, आशा देवी, कामिनी मिश्रा, मंजू पाल, सुनीता चौहान आदि प्रमुख रूप से लघु व्यापारी शामिल रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

ईंधन का संकट

ईरान इजरायल युद्ध का तेल और गैस आपूर्ति पर कितना प्रभाव पड़ रहा है यह दीगर बात है लेकिन 25 से 30 दिन तक किसी भी संकट से इनकार करने वाली सरकार ने घरेलू और कमर्शियल उपयोग में आने वाले गैस सिलेंडरों की कीमतों में भारी इजाफा कर दिया गया है। पेट्रोलियम मंत्री का कहना है कि यह बढ़ोतरी इसलिए की गई है क्योंकि संभावित भविष्य में गैस की आपूर्ति कम होने से संकट बढ़ सकता है जिससे निपटने के लिए कीमतों में इजाफा किया गया है रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों 60 रूपये और कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में 112 रुपए की वृद्धि से आम आदमी की दिक्कतें कितनी बढ़ गई है इस बात से सरकार को कोई सरोकार नहीं है। कमर्शियल सिलेंडर और रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ गए यह एक अलग मामला है लेकिन बढ़ी हुई कीमतों पर भी अगर आम आदमी और होटल तथा रेस्टोरेंटों में अगर गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है तो इससे उनका रोजगार ही प्रभावित नहीं हो रहा है बल्कि इसके सहारे अपना जीवन यापन करने वाले उन मजदूरों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है जो स्ट्रीट फूड वैन और दुकान तथा ढाबों के खाने पर निर्भर है। सरकार द्वारा तो गैस सिलेंडरों की कीमतों में इजाफा किया गया है साथ ही आपूर्ति की कमी के कारण रसोई गैस की सिलेंडर की बुकिंग तक 25 से 30 दिन तक नहीं की जा रही है उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं किंतु उनको तकनीकी कारणों का हवाला दिया जा रहा है। कोई कह रहा है 21 दिन बाद ही उपभोक्ता सिलेंडर बुक करा सकते हैं लेकिन कोई 25 दिन की समय सीमा बता रहा है लेकिन सच यह है कि जो लोग एक माह बाद भी ऑनलाइन सिलेंडर बुक करा रहे हैं उनके सिलेंडर भी बुक नहीं किये जा रहे हैं। अगर वाकई इस युद्ध के कारण एक सप्ताह में ही ऐसे हालात पैदा हो चुके हैं कि रसोई गैस की आपूर्ति और कामर्शियल सिलेंडरों का मिल पाना इतना मुश्किल हो रहा है तो भारत सरकार को लोगों को अपनी समस्या को खुलकर बताना चाहिए अभी जब युद्ध शुरू हुआ था तो सरकार द्वारा लोगों को यह आश्वासन दिया गया था कि चिंता की कोई बात नहीं है सरकार के पास 25 से 30 दिन का भंडार है तथा सरकार सभी वैकल्पिक स्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं। सरकार की नजर की बात तो सरकार ही जान सकती है लेकिन सच यह है कि होटल रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड पर निर्भर रहने वालों तथा व्यवसायों की दिक्कतें सिर्फ एक सप्ताह के अंदर ही उस सीमा को लांघ चुकी है कि वह अपना व्यवसाय चलाने में तथा लोगों को रोजगार और भोजन उपलब्ध कराने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं यही नहीं लोग अब पुराने वैकल्पिक संसाधनों का सहारा लेने की बात तक कर रहे हैं कि लगता है आने वाले समय में उन्हें उपलो व लकड़ी के उपयोग कर चूल्हा जलाकर लोगों की भूख मिटाने पर सोचना पड़ेगा। निश्चित तौर पर यह स्थिति अत्यंत ही चिंतनीय है। जिसे लेकर हमारी सरकार इस कदर निश्चिंत दिख रही है जैसे यह कोई समस्या ही नहीं है।

गैरसैंण है उत्तराखंड की 'आत्मा'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गैरसैंण उत्तराखंड की 'आत्मा' है। यह राज्य की मांग को लेकर लंबे समय तक आंदोलन करने वाले पर्वतीय क्षेत्र के उन लोगों की है, जिन्होंने लंबा आंदोलन किया। आंदोलन के दौरान भूख, प्यास, प्राणों की आहुति और संघर्ष आज भी उन आंदोलनकारियों को याद है जो आज उस इतिहास के गवाह हैं। गैरसैंण में राज्य का प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र ही नहीं है, बल्कि राज्य की भौगोलिक और सामाजिक आत्मा यहां बसती है। ऐसे में 'वेडिंग डेस्टिनेशन' वाला बयान पर्वतीय क्षेत्र के लोगों के दिल पर 'जख्म' दे गया है।

गैरसैंण में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के एक 'बयान' ने सभी के आंखों में आसु ला दिए, जिन्होंने राज्य आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका निभायी। पहले तो राज्य बने इतने लंबे समय बाद गैरसैंण राजधानी तो नहीं बनी, लेकिन सरकार इसे ग्रीष्मकालीन राजधानी के तौर पर प्रचारित कर रही है। वर्तमान में यहां सत्र का आयोजन हो रहा है, तो पहाड़वासियों को लगा था कि आने वाले समय में यह राजधानी बन ही जाएगी। राज्य के पर्यटन मंत्री ने गैरसैंण को 'टेंट हाउस' बनाने का बयान देकर घी में आग देने का काम करने के साथ ही पहाड़वासियों की आत्मा पर चोट मार दी है।

❑'वेडिंग डेस्टिनेशन' वाला पर्यटन मंत्री का बयान पर्वतीय क्षेत्र के लोगों के दिल पर दे गया 'जख्म'

❑भराड़ीसैंण स्थित विधानमंडल भवन पर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के एक 'बयान' हास्यास्पद

❑भराड़ीसैंण राज्य का प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र ही नहीं, पर्वतीय क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक आत्मा

बता दें कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण पहाड़ के लोगों की भावनाओं के अनुरूप बनना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह कहना है पहाड़ के लोगों का। राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान जिस मांग को लेकर पहाड़ के आमजन सड़क पर उतरकर 'कोदा, झंगोरा' खाएंगे उत्तराखंड बनाएंगे का नारा दिया गया था वह पर्वतीय क्षेत्र की आत्मा की आवाज थी, लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को यह आवाज नहीं सुनाई दी। राज्य का निर्माण तो हुआ पर राज्यवासियों के अनुरूप नहीं। आंदोलनकारियों की दिल की तमन्ना थी कि राज्य की राजधानी वहां होनी चाहिए, जहां राज्य की आत्मा का वास हो, लेकिन सत्ताधीशों को यह मंजूर नहीं था।

पर्यटन मंत्री का एक 'शब्द' जिसने पर्वतीय क्षेत्र के लोगों की भावना को आहत कर दिया है। क्योकि गैरसैंण एक स्थान ही नहीं, बल्कि एक बडे़ आंदोलन की स्मृति का केंद्र है, जिसमें पहाड़ के हजारों युवाओं ने अपने सपने और अपने जीवन दांव पर लगाए थे। गैरसैंण को लेकर पर्यटन मंत्री का बयान राजनीतिक विवाद ही नहीं, पहाड़ के लोगों के दिल में एक गहरी टीस पैदा करता है।

उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का वह बयान भराड़ीसैंण स्थित विधानमंडल भवन को भविष्य में वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की संभावना का जिक्र किया। इसके बाद प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। भाजपा के नेता जहां पर्यटन मंत्री को बचाने में लगी है वहीं अन्य दलों ने इसे सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा बना दिया है और आने वाले समय में यह आग की तरह प्रदेश में फैल सकता है।

भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को एसओजी व पुलिस की संयुक्त ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 768 नशीले कैप्सूल बरामद किये गये है। जानकारी के अनुसार बीती शाम नशा तस्करी की एक सूचना के आधार पर एसओजी व थाना बनबसा पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को धनुष पुल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 768 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम शादाब उर्फ शाहदाब (20 वर्ष) निवासी इस्लामनगर, थाना खटीमा, जनपद उधमसिंह नगर बताया। बताया कि बरामद कैप्सूलों का प्रयोग नशे के लिए किया जाता है। वह ये कैप्सूल मझोला, पीलीभीत के एक संदिग्ध मेडिकल स्टोर से लाकर टनकपुर के रास्ते नेपाल ले जा रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मोहब्बेवाला चौक पर सीसीटीवी और चंद्रबनी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसजनों ने एसपी सिटी को ज्ञापन सौंपते हुए मोहब्बेवाला चौक पर सीसीटीवी कैमरे व चन्द्रबनी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग की।

आज यहां राजधानी देहरादून में बढ़ती ट्रैफिक समस्या को लेकर कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन से यातायात व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसपी सिटी को ज्ञापन सौंपते हुए शहर के प्रमुख चौराहों पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ज्ञापन में कहा गया कि शहर में तेजी से बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण यातायात व्यवस्था लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है।

विशेष रूप से मोहब्बेवाला चौक से ट्रांसपोर्ट नगर चौक तक का क्षेत्र भारी वाहनों की आवाजाही, ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाओं की दृष्टि से बेहद संवेदनशील बन चुका है। हाल ही में सोमवार को मोहब्बेवाला चौक के पास एक ओवरलोड ट्रक पलटने की घटना ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर कर दिया है। प्रतिनिधि मंडल ने मांग की कि मोहब्बेवाला चौक पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर निगरानी रखी जा सके। साथ ही चंद्रबनी चौक पर ट्रैफिक सिग्नल स्थापित करने, ओवरलोडिंग और ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने तथा स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन चालान व्यवस्था को प्रभावी बनाने की भी मांग की गई। इसके अलावा आईएसबीटी देहरादून फ्लाईओवर के नीचे से निजी बसों के ठहराव और संचालन को बंद करने की मांग भी उठाई गई।

प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि शहर के व्यस्त चौराहों जैसे बल्लूपुर चौक और प्रिंस चौक पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती बढ़ाई जाए तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेत और स्पीड कैमरे लगाए जाएं। ज्ञापन में

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

गंगानगर में सुरक्षा का नया कवच: 10 नए सीसीटीवी कैमरों से बढ़ी निगरानी

संवाददाता

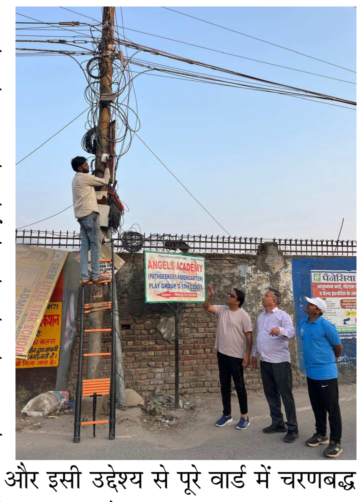

ऋषिकेश। गंगानगर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 10 नये सीसीटीवी कैमरे लगाये गये।

आज यहां गंगानगर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 10 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। यह पहल क्षेत्र की पार्षद संध्या एकांत गोयल द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पार्षद संध्या बिष्ट गोयल ने बताया कि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से पूरे वार्ड में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन नए कैमरों के लगने के बाद अब लगभग पूरा गंगानगर वार्ड कैमरों की निगरानी में आ गया है, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान होगा और किसी भी संभावित घटना को समय रहते रोका जा सकेगा। उन्होंने जानकारी दी कि आरपीएस स्कूल के बाहर भी विशेष रूप से निगरानी रखी जाएगी, ताकि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और अभिभावकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पार्षद संध्या ने कहा कि क्षेत्र के विकास और सुरक्षा के लिए आगे भी इसी तरह के कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने गंगानगर की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सहयोग और आशीर्वाद से ही क्षेत्र में विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे और वार्ड को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने का प्रयास जारी रहेगा। हनुमंतपुरम विकास मंच के अध्यक्ष के के सचदेवा ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि गंगानगर की पार्षद संध्या बिष्ट गोयल व उनके प्रतिनिधि एकांत गोयल निरंतर गंगानगर के विकास की ओर कार्य कर रही है जो की सराहनीय है।

लाखों की लागत से निर्मित कैफेटेरिया बना 'सफेद हाथी'

ऋषिकेश(आरएनएस)। नगर पालिका क्षेत्र में ऋषिकेश रोड स्थित शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय महाविद्यालय के समीप लाखों रुपये की लागत से बनाया गया कैफेटेरिया 'सफेद हाथी' बनकर रह गया है। निर्माण पूरा हुए कई वर्ष बीत जाने के बावजूद अब तक इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। निविदा प्रक्रिया आगे न बढ़ने के कारण यह भवन लंबे समय से बंद पड़ा है और जर्जर हालत में पहुंचता जा रहा है। इस कैफेटेरिया का शिलान्यास कई वर्ष पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा किया गया था। उस समय इसे नगर क्षेत्र के विकास, पर्यटकों की सुविधा और स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योजना बताया गया था। लेकिन निर्माण के बाद भी नगर पालिका प्रशासन इसे संचालित कराने में विफल रहा।

निविदा प्रक्रिया पूरी न होने के कारण कैफेटेरिया का उपयोग नहीं हो सका। लंबे समय से बंद पड़े रहने के कारण भवन की हालत लगातार खराब होती जा रही है। शरारती तत्वों द्वारा कैफेटेरिया के कई शीशे तोड़ दिए गए हैं। इसके अंदर लगी बिजली की तारों और बिजली के बोर्डों को भी नुकसान पहुंचाया गया है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के पैसों से बनाए गए इस कैफेटेरिया का वर्षों तक उपयोग न होना सीधे तौर पर सरकारी धन के दुरुपयोग को दर्शाता है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन शीघ्र निविदा प्रक्रिया पूरी कर कैफेटेरिया का संचालन शुरू कराए जाने और क्षतिग्रस्त भवन की मरम्मत के साथ बिजली व्यवस्था व सुरक्षा इंतजाम भी तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की।

पशु प्रदर्शनी और पशु स्वास्थ्य शिविर लगाने की मांग

विकासनगर(आरएनएस)। तहसील क्षेत्र के पशुपालकों ने कथियान में पशु प्रदर्शनी एवं पशु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाने को लेकर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में पशुपालक ग्रामीणों ने कहा कि कथियान क्षेत्र के दो-तीन खतों से जुड़े गांव भटाड, हरटाड, छजाड, अगेठी, भूठ, फनार, नुडाईथात, बिमभड, चोसाल, ओबरासेर, लोईच, धामीच, डिरनाड, पूरटाड, भूनाड, ऐठान, डागूठा, पटियूड, लोकाड, खादरा आदि गांव में भेड, बकरी, गाय, भैस पालन व्यवसाय है। लेकिन पशुपालको को उपचार हेतु त्यूणी पशु अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है। जबकि कथियान क्षेत्र से त्यूणी की दूरी चालीस से पचास किलोमीटर है। जहां हर ग्रामीण पशुपालक का पहुंचना मुश्किल है। उन्होंने मांग की कि पशुओं के स्वास्थ्य उपचार के लिए परिक्षण शिविर साथ ही पशु प्रदर्शनी लगाई जाए। जिससे पशु पालकों को घर के आसपास सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।ज्ञापन प्रेषित करने वालो मे जगतसिंह, कीरत सिंह, केदार सिंह, अजब सिंह, कल्याण सिंह, लक्ष्मण सिंह चौहान, खजान सिंह, मदन चन्द डोभाल, दौलत राम, भागी राम, रविन्द्र सिंह, विनोद, हरपाल सिंह, रमेश चंद्र चौहान, मेजर सिंह आदि के शामिल रहे।

हरिपुर से कालसी तक एनएच की नालियां चौक

विकासनगर(आरएनएस)। दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरिपुर से कालसी तक सड़क किनारें बनी नालियां बंद चोक हो रखी है। जिसके कारण नालियों का गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है। जिससे लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों और ग्राम प्रधान व्यास नहरी ने अधिशासी अभियंता एनएच को पत्र लिखकर नालियों को साफ करने की मांग की है।

हाईवे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को रोकने के कारगर कदम उठाने की मांग

हरिद्वार(आरएनएस)। राष्ट्रीय पंजाबी महासभा और ज्वालापुर व्यापार मंडल ने नेशनल हाईवे पर बढ़ते सड़क हादसों पर चिंता जताई है। इस बाबत पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सेठी और व्यापार मंडल अध्यक्ष हरविंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने डीएम मयूर दीक्षित को पत्र सौंपा। सेठी ने कहा कि तेज रफ्तार, रॉन्ग साइड चलने वाले वाहन, पथ प्रकाश की कमी और अनावश्यक कट जैसी कई खामियों के कारण सड़क हादसे बढ़ रहे हैं। इसके लिए एनएचएआई, जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

चिल्ला-बैराज मार्ग से भीमगोड़ा पार्किंग, सर्वानंद घाट तक, नए रानीपुर से सिंहद्वार कनखल पुलिया तक, ज्वालापुर रेलवे पुल के नीचे और गुरुकुल से सिंहद्वार अंडरपास तक विपरीत दिशा में चलने वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई हो। विभिन्न फ्लाईओवरों पर सीसीटीवी कैमरे, रिफ्लेक्टर और गति संकेतक लगाए जाएं। अनावश्यक कट को बंद कर उचित दूरी पर डिवाइडर लगाए जाएं। इस दौरान अर्पण ग्रोवर, भूषण लाल अरोड़ा, सौरभ अरोड़ा और गुड्डू सिंह भी मौजूद रहे।फ्लाईओवर के नीचे नो-पार्किंग जोन बनाएंहरविंद्र सिंह ने कहा कि ज्वालापुर से उत्तरी हरिद्वार तक फ्लाईओवर के नीचे सभी कट को नो-पार्किंग जोन घोषित कर अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। इसके अलावा सड़क पर पथ प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खराब स्ट्रीट लाइट को तुरंत बदला जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि हर फ्लाईओवर के नीचे एनएच की ओर से फायर सर्विस गाड़ी की व्यवस्था भी की जाए।

कुंभ से पहले होगा भीमगोडा कुंड का सौंदर्यीकरण

हरिद्वार(आरएनएस)। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में मेला प्रशासन कुंभ क्षेत्र के पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना पर काम कर रहा है।

मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर भीमगोडा कुंड के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। अपर मेलाधिकारी दयानन्द सरस्वती ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम के साथ भीमगोडा कुंड का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान कुंड में पौराणिक स्रोत से जल आपूर्ति की व्यवस्था, कुंड में एकत्रित जल की समुचित निकासी, संरचनात्मक सुधार तथा सौंदर्यीकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस अवसर पर स्थानीय पार्षद सुमित चौधरी तथा क्षेत्र के नागरिकों से भी विचार विमर्श कर उनके सुझाव प्राप्त किए गए, ताकि विकास कार्य स्थानीय भावनाओं और परंपराओं के अनुरूप किए जा सकें। दयानन्द सरस्वती ने बताया कि भीमगोडा कुंड की पौराणिक पहचान और मूल स्वरूप को संरक्षित रखते हुए इसे अधिक आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जाएगा। कुंड में निरंतर स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए इसके प्राचीन जलस्रोत से पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। वहीं कुंड से पानी की निकासी के लिए भी समुचित प्रबंध किए जाएंगे, जिससे जल की स्वच्छता बनी रहे। भीमगोडा कुंड के चारों ओर एक सुंदर पार्क विकसित किया जाएगा। पार्क क्षेत्र में बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच स्थापित की जाएंगी। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मजबूत रेलिंग, सुरक्षित मार्ग तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कुंभ मेला तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार, सहायक अभियंता एसके तोमर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

24 व 25 मार्च को अल्मोड़ा में होगा उमेश डोभाल स्मृति समारोह

पौड़ी (आरएनएस)। उमेश डोभाल स्मृति समारोह 24 व 25 मार्च को अल्मोड़ा में आयोजित किया जाएगा।

उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट की ओर से हर साल उमेश डोभाल स्मृति सम्मान, राजेंद्र रावत स्मृति जनसरोकार सम्मान, गिरीश तिवारी गिर्दा स्मृति जनकवि सम्मान एवं मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कार दिया जाता है। ट्रस्ट के महासचिव नरेश नौडियाल ने बताया कि उमेश डोभाल स्मृति सम्मान 2025 कपिल भोज को उनकी साहित्य धर्मिता के लिए उनके समर्पण, प्रेरणादायक और अनुकरणीय कार्य के लिए दिया जाएगा। राजेंद्र रावत राजू स्मृति जनसरोकार सम्मान किशन सिंह मलड़ा को दिया जाएगा। गिरीश तिवारी गिर्दा स्मृति जनकवि सम्मान रंगकर्मी यमुना राम को उनकी जनपक्षीय नाटकों और जनगीत के लिए प्रदान किया जाएगा।

इस वर्ष भुवनेश्वरी जोशी प्रतिभा सम्मान बालिका वर्ग में मोनिका पंवार, चमियाला, टिहरी गढ़वाल व बालक वर्ग में जीआईसी क्यार्क पौड़ी के करन राज को दिया जाएगा। अगले वर्ष के लिए भुवनेश्वरी जोशी और अनिरुद्ध जोशी प्रतिभा सम्मान अल्मोड़ा जनपद के आर्थिक रूप से कमजोर और मेरिट में उच्च स्थान रखने वाले 12वीं पास छात्र-छात्राओं को दिया जाए जाएगा।

मांगों पर मिला सकारात्मक आश्वासन, एनआईटी का निर्माण शुरू

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। एनआईटी में चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन 15 दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। तहसीलदार श्रीनगर दीपक भंडारी की मध्यस्थता में निर्माणदायी कंपनी के अधिकारियों के साथ आंदोलनकारियों की वार्ता हुई। मांगों पर आंदोलनकारियों को सकारात्मक आश्वासन मिला। वार्ता के बाद एनआईटी के स्थायी परिसर का निर्माण पूर्व की तरह शुरू हो गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि मांगों पर 15 दिनों में ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। एनआईटी स्थायी परिसर निर्माण स्थल पर ग्रामीण 10वें दिन भी डटे रहे। इसके बाद प्रशासन, कंपनी और ग्रामीणों की वार्ता हुई। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे डॉ०सुधीर जोशी समेत कई ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों में स्थानीय ग्रामीणों को ही रोजगार देने, स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने, पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप सेप्टिक टैंक प्लांट बनाने, गौचर भूमि से डंपिंग जोन को हटाने तथा भविष्य में अवैध डंपिंग पर कार्यदायी संस्था पर कठोर कार्रवाई करने, एनआईटी सुमाड़ी मुख्य मार्ग पर सुधारीकरण कार्य कराए जाने, प्रभावित गांवों में संपर्क मार्गों की स्थिति सुधारने व सोलर लाइट लगाए जाने आदि मांगें उठाईं। उन्होंने कहा कि इस पर कंपनी के अधिकारियों की ओर से सकारात्मक आश्वासन मिला है। यदि 15 दिनों में इन मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो पुनः आंदोलन और कार्यबहिष्कार करेंगे। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरजीत सिंह बिष्ट, प्रधान अभिनय धनाई, अंजु, मनीष रावत और जितेंद्र धनाई आदि मौजूद रहे।

पौड़ी में ऊर्जा निगम कर्मचारियों का प्रदर्शन

पौड़ी(आरएनएस)। इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल के विरोध में ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने विद्युत वितरण खंड के कार्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि जल्द ही इस बिल को वापस लेने की मांग उठाई। ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने विद्युत वितरण खंड कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिशासी अभियंता श्रीनगर गोपाल रावत, एसडीओ सतपुली मुकेश कुमार व परवेज कुमार ने कहा कि संपूर्ण पॉवर सेक्टर के निजीकरण के लिए इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल लाया जा रहा है। बिल के पारित होने के बाद देश में बिजली का नया कानून लागू हो जाएगा। नए कानून के तहत निजी कंपनियों को सरकारी डिस्कॉम का नेटवर्क इस्तेमाल कर बिजली वितरण करने का लाइसेंस प्राप्त होगा। निजीकरण के लिए किसी टेंडर की जरूरत नहीं रहेगी। निजी कंपनियों को लाइसेंस मिलेगा और वे सरकारी नेटवर्क इस्तेमाल कर मुनाफे वाले उपभोक्ताओं को छीन लेंगी। प्रदर्शनकारियों में गोविंद सिंह, उदित पंवार, ज्योति असवाल, सुनील रावत, रविंद्र पटवाल, दिनेश रावत, पूजा रावत, प्रतिभा नेगी, हिमानी आदि शामिल रहे।

बिना डाक्टर की सलाह के दवा न छोड़ें किडनी रोगी

ऋषिकेश(आरएनएस)। विश्व गुर्दा दिवस के उपलक्ष्य में एम्स ऋषिकेश में आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम में मरीजों, तीमारदारों और अन्य लोगों को गुर्दे से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरुक किया गया। विशेषज्ञों ने सलाह दी कि बिना डॉक्टर की सलाह के किडनी रोगी दवा न छोड़ें। गुर्दा रोग विभाग के डॉ. दीपेश धूत ने किडनी रोगों और उनके लक्षणों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अधिकांश मामलों में यह बीमारी अनियंत्रित बीपी और शुगर की वजह से पनपती है। उन्होंने क्रोनिक किडनी रोगियों को सलाह दी कि अपनी दिनचर्या के अनुरूप खान-पान को सही रखते हुए शरीर में पोटेशियम की मात्रा बढ़ने न दें। बताया कि किडनी रोगियों को बिना डॉक्टर की सलाह के पेन किलर दवा नहीं लेनी चाहिए। डायलिसिस करवाने वाले रोगियों को उन्होंने सलाह दी खानपान में परहेज रखकर उच्च गुणवत्ता का प्रोटीन लेकर अपने भोजन में नमक कम रखें। केला, संतरा, आलू, नारियल पानी जैसे पोटेशियम पदार्थों के सेवन से भी बचें। डॉ. शेरोन कंडारी ने ने किडनी दाता, प्रत्यारोपण की तैयारी, प्रत्यारोपण के बाद रोगी की देखभाल व संभावित जटिलताओं को बारीकी से समझाया। मौके पर नेफ्रोलाजी विभाग की रेजिडेन्ट डॉ. संदीप कौर, असिस्टेंट प्रो. साहिल गर्ग, प्रो. रविकांत, नेफ्रोलॉजी विभाग के विभिन्न एसआर, जेआर, नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहे।इसेटएम्स कर चुका 22 लोगों में गुर्दा प्रत्यारोपणऋषिकेश। कार्यक्रम के दौरान डा शेरोन कंडारी ने बताया कि एम्स ऋषिकेश द्वारा अब तक गुर्दा प्रत्यारोपण के 22 मामले सफलता के साथ किए गए हैं। एम्स को एक उन्नत गुर्दा प्रत्यारोपण बताते हुए उन्होंने बताया कि ब्रेन डेथ घोषित हो चुके एक व्यक्ति के अंगदान से 8 जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। कहा कि दूसरों का जीवन बचाने वाला व्यक्ति महादानी होता है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होती है। डा कंडारी ने अंगदान से जुड़े सभी प्रकार के भ्रम दूर किए और कहा कि अंगदान प्रक्रिया में धर्म आड़े नहीं आता है। सभी धर्मों के लोग अंगदान कर सकते हैं।

हर महिला के पास होने चाहिए उलटने वाले शॉल, देते हैं बेहद स्टाइलिश लुक

फैशन की दुनिया में आए दिन नए-नए चलन आते रहते हैं। इनमें से कुछ लंबे समय तक चलते हैं, जबकि कुछ जल्दी गायब हो जाते हैं। उलटने वाले शॉल एक ऐसा नया चलन है, जो न केवल फैशनेबल है, बल्कि बहुत ही आरामदायक भी है। यह ट्रेंड आने वाले कई सालों तक महिलाओं के फैशन में देखने को मिलेगा। आज के फैशन टिप्स में हम उलटने वाले शॉल के बारे में जानेंगे और इसे स्टाइल करने के तरीके भी समझेंगे।

क्या है उलटने वाला शॉल?

उलटने वाले शॉल एक नए प्रकार के शॉल होते है, जिन्हें दोनों तरफ से पहना जा सकता है। इसका मतलब है कि आप इस एक ही शॉल को 2 अलग-अलग तरीकों से पहन सकते हैं। इससे न केवल आपकी अलमारी में जगह बचती है, बल्कि आप एक ही शॉल से अलग-अलग लुक भी पा सकती हैं। ये शॉल कई रंगों और डिजाइन में उपलब्ध रहते हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं।

क्यों प्रसिद्ध हो रहे हैं ये शॉल?

उलटने वाले शॉल कई कारणों से लोकप्रिय होते जा रहे हैं। सबसे पहला कारण यह है कि ये बहुत ही आरामदायक होते हैं। ठंडे मौसम में इनका उपयोग करना आपको गर्माहट दे सकता है। दूसरा कारण यह है कि इनका डिजाइन बहुत ही आकर्षक होता है, जो आपके पूरे लुक को खास बना सकता है। तीसरा कारण यह है कि इन्हें दोनों तरफ से पहना जा सकता है, जिससे आप एक ही शॉल को कई बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे करें स्टाइल?

उलटने वाले शॉल को स्टाइल करना बहुत ही आसान है। आप इसे साड़ी या सलवार-कमीज जैसी किसी भी पारंपरिक पोशाक के साथ पहन सकती हैं। इसके अलावा आप इसे जींस और टी-शर्ट के साथ भी पहन सकती हैं, जिससे आपका रोजमर्रा का लुक भी खास लगेगा। अगर आप किसी पार्टी में जा रही हैं तो इसे लहंगा या अनारकली सूट के साथ भी पहना जा सकता है। पुरुष भी इसे पारंपरिक कपड़ों के साथ पहन सकते हैं।

कहां से खरीदें?

उलटने वाले शॉल अब बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। आप इन्हें ऑनलाइन खरीद सकती हैं या किसी स्थानीय बाजार से भी ले सकती हैं। जब आप इन्हें खरीदें तो इनके कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि ये लंबे समय तक टिक सकें। इसके अलावा रंग और डिजाइन का चयन करते समय अपनी पसंद और जरूरतों का ध्यान रखें, ताकि आप सही चुनाव कर सकें। दाम का भी ख्याल रखें और अपने बजट के मुताबिक इसे खरीदें।

कैसे करें देखभाल?

उलटने वाले शॉल की देखभाल करना बहुत आसान होता है। इन्हें धोते समय हल्के साबुन उपयोग करें और धूप में सुखाने से पहले इन्हें पलटकर टांगें, ताकि दोनों तरफ की सफाई हो सके। इस प्रकार उलटने वाला शॉल न केवल आरामदायक, बल्कि स्टाइलिश भी है। इसे अपनी अलमारी में शामिल करके आप हर मौके पर अलग-अलग लुक पा सकती हैं। चाहे वह कोई त्योहार हो या कोई पार्टी, इस शॉल के साथ आप हमेशा खास दिखेंगी।

श्रीनिवास मंगपुरम से जया कृष्णा का फर्स्ट लुक जारी

श्रीनिवास मंगलापुरम से जया कृष्णा का फर्स्ट लुक रिलीज़ हो गया है। सुपरस्टार कृष्णा के पोते, जया कृष्णा आरएक्स१०० और मंगलावरम फेम के अजय भूपति के डायरेक्शन में ऑन-स्क्रीन डेब्यू कर रहे हैं।

फिल्म का नाम श्रीनिवास मंगलापुरम है और आज मेकर्स ने फर्स्ट लुक रिलीज़ किया। महेश बाबू ने फिल्म से जया कृष्णा का फर्स्ट लुक रिलीज़ किया और मेकर्स को शुभकामनाएं दीं। फर्स्ट लुक में जया कृष्णा एक स्टाइलिश अवतार में बाइक चलाते हुए और अपनी बंदूक से अपने दुश्मनों पर फायर करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। अपने घुंघराले बालों के साथ वह हैंडसम लग रहा था और हालात के हिसाब से उसके इंटेंस एक्सप्रेशन खतरनाक हो जाते थे। उसने रिस्ट बैंड और ब्लैक टी-शर्ट पहनी हुई थी। इस फिल्म में पुरानी एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी फीमेल लीड रोल में हैं। यह राशा की टॉलीवुड में पहली फिल्म है।

जीवी. प्रकाश कुमार म्यूज़िक डायरेक्टर हैं और फिल्म को पी. किरण ने अपने चंदमामा कथालू बैनर तले प्रोड्यूस किया है। अश्विनी दत्त फिल्म को प्रेजेंट कर रहे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया: भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

श्री सौरभ गर्ग

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे- जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य -069

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

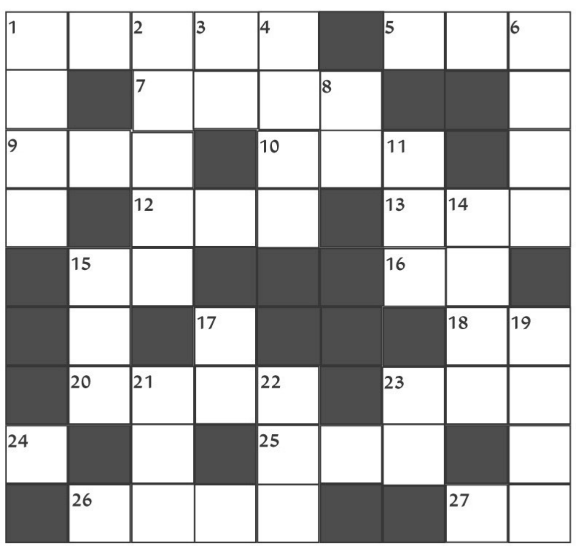

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 68 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

फिल्म एक दिन का टाइटल ट्रैक जारी, अरिजीत सिंह की आवाज का फिर चला जादू

आमिर खान प्रोडक्शंस की आगामी रोमांटिक फिल्म एक दिन सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. प्रोडक्शन ने एक दिन का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है. यह गाना आमिर खान और अरिजीत सिंह के बीच कोलेबोरेशन को दिखाता है, जो फिल्म की रिलीज से पहले से ही चर्चा में बना हुआ.

आमिर खान प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर एक दिन का टाइटल ट्रैक लॉन्च किया. इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक दिन आमिर सर आपके साथ बैठकर गाना गा रहे हैं. आमिर खान एक्स अरिजीत सिंह = प्योर मैजिक. एक दिन टाइटल ट्रैक अभी आ गया है. एक दिन सिर्फ थिएटर में 1 मई 2026 को देखें.

वीडियो की शुरुआत में आमिर खान और अरिजीत सिंह से उनके प्लेबैक सिंगिंग से दूर जाने के फैसले पर सवाल करते हैं. एक्टर अरिजीत के साथ उनके घर पर फर्श पर बैठे हुए दिखते हैं और उनसे पूछते हैं, आप कोई प्रोजेक्ट नहीं ले रहे हैं? कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहते हैं? या आप हिंदी फिल्मों के लिए नहीं गाना चाहते? ऐसे मत कर यार, हम लोगों का क्या होगा भाई?

इस क्लिप में आमिर के अरिजीत के घर के ट्रिप के कई बिहाइंड-द-सीन्स और दिल को छू लेने वाले पल दिखाए गए हैं. एक्टर को अरिजीत और उनकी टीम के साथ पतंग उड़ाते, घर के बने खाने का मजा लेते हुए देखा जा सकता है. अरिजीत उन्हें घर पर बनी अलग-अलग डिश सर्व करते हैं. वह अरिजीत के पड़ोसियों से भी मिलते हैं, जो सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए सड़कों पर निकल आते हैं और छतों पर चढ़ जाते हैं.

इसके बाद, अरिजीत आमिर और उनके घर पर मौजूद दूसरे लोगों को चाय सर्व करते हुए दिखते हैं. दूसरी झलकियों में आमिर अपने घर के अंदर छोटे से स्टूडियो में अरिजीत का गाना एक दिन ध्यान से सुनते हुए दिखते हैं.

दोनों को अरिजीत की टीम के साथ शतरंज खेलते हुए और बाद में देर रात स्कूटी राइड के लिए निकलते हुए भी देखा जाता है. सिंगर सुपरस्टार को गंगा घाट भी ले जाते हैं. वीडियो के आखिर में, आमिर अरिजीत को उस ट्रिप के लिए धन्यवाद देते हुए दिखते हैं जिसे वह यादगार ट्रिप कहते हैं.

एक इंटरव्यू आमिर खान ने अरिजीत सिंह के साथ अपने कोलैबोरेशन के बारे में खुलासा किया था. सुपरस्टार ने कहा, मैं कुछ दिन पहले मुर्शिदाबाद में था. मैं वहां अरिजीत को फिल्मों के लिए गाना न छोड़ने के लिए मनाने नहीं गया था. मैं वहां किसी और मकसद से गया था. हालांकि मैंने उन्हें दोबारा सोचने के लिए मनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. ऐसा लगता है कि उन्होंने अपना मन बना लिया था.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमिर खान की इस रोमांटिक फिल्म के लिए अरिजीत सिंह ने पहले ही कमिटमेंट कर दिया था. आमिर खान ने बताया कि अरिजीत जुनैद के किरदार के लिए गा रहे हैं. क्योंकि एक दिन पहले का कमिटमेंट था, इसलिए वह इसे पूरा करना चाहते थे. एक दिन में 5 गाने हैं, और उन्होंने उन सभी में गाया है. उन्होंने गानों में कमाल कर दिया है.

आमिर खान प्रोडक्शंस की निर्मित एक दिन में सुपरस्टार के बेटे-एक्टर जुनैद खान है. वहीं साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना साई पल्लवी लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी. यह फिल्म 1 मई, 2026 को थिएटर में रिलीज होगी.

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया: भारत..◂◂ पृष्ठ 4 का शेष

नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में आपूर्ति एवं उपयोग सारणी' के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

तृप्ति डिमरी को इन फिल्मों ने दिलाई शोहरत

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब किसी पहचान की मोहताज नहीं रही हैं। अपने करियर में उन्होंने सार्थक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को निभाकर भारतीय सिनेमा में प्रभावशाली अदाकारा के रूप में खास पहचान बना ली है। रोमांटिक-ड्रामा और साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्मों के जरिए तृप्ति ने हमेशा अपने फैंस का दिल जीता। हालिया रिलीज शाहिद कपूर की ओ रोमियो में अभिनेत्री के अभिनय की तारीफ हो रही है।

तृप्ति ने पहली बार 2018 में फिल्म लैला-मजनू से चर्चाएं बटोरी थीं। अविनाश तिवारी के साथ उनकी जोड़ी को न सिर्फ सराहा गया था, बल्कि उनके भावपूर्ण और गहन अभिनय की समीक्षकों ने खूब तारीफ भी की थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास साबित नहीं हुई, लेकिन बाद में इसे कल्ट फिल्म का दर्जा मिला था। नेटफ्लिक्स पर रिलीज बुलबुल साइकोलॉजिकल-थ्रिलर फिल्म है जिसमें तृप्ति के शानदार अभिनय की खूब सराहना हुई थी। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कार मिला था।

बाबिल खान के साथ उनकी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई एक क्लासिकल-म्यूजिक फिल्म थी। मां-बेटी के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में उनका चुनौतीपूर्ण किरदार काबिल-ए-तारीफ था। फिल्म के गाने भी बेहद लोकप्रिय हुए। हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 का हिस्सा तृप्ति रहीं जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य किरदार में थे। फिल्म में अभिनेत्री ने दोहरी भूमिका निभाई थी। जहां वर्तमान में वह राजकुमारी मीरा के किरदार में दिखीं, तो वहीं अतीत में वह राजकुमारी मधुलिका थीं।

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल में तृप्ति ने छोटी, लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद, उनकी उपस्थिति ने खूब चर्चा बटोरी थी। उनका किरदार सिनेमा में उनकी प्रतिष्ठा और फैंस की तादात को बढ़ाने में कारगर साबित रहा था। 2023 में रिलीज यह उस साल की सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म बन गई जिसने भारत में 500 करोड़ से ज्यादा कारोबार किया। तृप्ति को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिए फिल्मफेयर नामांकन भी मिला था।

भूत बंगला' से सामने आया अक्षय कुमार का नया लुक

अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की हिट जोड़ी 16 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। यही कारण है कि फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने फिल्म का एक नया मोशन पोस्टर जारी किया है।

मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के नए मोशन पोस्टर में अक्षय कुमार एक डरावने सिंहासन पर बैठे नजर आ रहे हैं। इस सिंहासन पर डरावने भूतों के सिर बने हुए हैं, जो मुंह फैलाते नजर आ रहे हैं। इस पर बैठे अक्षय कुमार भी मुंह फैलाए हुए हैं।

आंखों पर काला चश्मा लगाए अक्षय अपने गले और हाथों में कई रुद्राक्ष और अन्य मालाएं पहने हुए हैं। जबकि एक हाथ में वो माला जप भी रहे हैं। एक लुंगी या धोती जैसी पहने अक्षय कुमार शर्टलेस नजर आ रहे हैं। अक्षय का ये लुक किसी तांत्रिक से मिलता-जुलता मालूम पड़ता है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने एक मजेदार कैप्शन भी दिया है। कैप्शन में लिखा गया, दस को देंगे दस्तक, इंतजार करो तब तक। मस्ती शुरू होने दो।' इसके साथ ही मेकर्स ने एक बार फिर से फिल्म की रिलीज डेट भी याद दिलाई है, जो 10 अप्रैल है।

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम किरदार निभाएंगे। मिथिला पालकर फिल्म में अक्षय की बहन के किरदार में नजर आएंगी। हालांकि, अभी तक फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

हाथियों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने हो लगाई गई मधुमक्खियों की पेटियां खाली

कोटद्वार(आरएनएस)। दुगड्डा ब्लॉक के तहत आमसौड़ गांव की आबादी में हाथियों को रोकने के लिए वन सीमा पर लगाई गई 1.5 किमी. लंबी बी बॉक्स फेंसिंग शोपीस बनकर रह गई है। दरअसल वन विभाग की ओर से इसके आसपास लगी पेटियों में डाले गई मधुमक्खियों के छत्तों से मधुमक्खियां उड़ चुकी है। ग्रामीणों ने वन विभाग से पेटियों में दोबारा मधुमक्खियों के छत्ते रखने की मांग की है। दुगड्डा ब्लॉक के अंतर्गत आमसौड़ गांव के ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य साधन खेतीबाड़ी है। वन सीमा से सटा होने के कारण आए दिन हाथी फसलों को उजाड़ते रहते हैं। वन विभाग ने पूर्व में हाथी को गांव में पहुंचने से रोकने के लिए सोलर फेंसिंग समेत कई योजनाएं बनाईं लेकिन कोई भी योजना फलीभूत नहीं हो पाई। वन विभाग की ओर से वर्ष 2०24 में सड़क को छोड़कर वन सीमा पर करीब 1.5 किमी. लंबी तारबाड़ लगाने और इसके पास मधुमक्खियों के बॉक्स रखने की योजना प्रस्तावित की। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद पिछले साल वन विभाग ने वन सीमा पर 1० लाख रुपये के बजट से 1.5 किमी. लंबी तारबाड़ बनाने के साथ ही उसके समीप मधुमक्खियों के करीब 98 बॉक्स रखे। मधुमक्खियां लाकर पेटी में डाली भी गई लेकिन मधुमक्खियां बॉक्स में नहीं रुकी। वर्तमान में बॉक्स बदहाल पड़े हैं। क्षेत्र के इंद्रमोहन जुयाल ने बताया कि वन विभाग से कई बार गुहार लगाने के बाद भी बॉक्स में मधुमक्खियों के छत्ते न डालने से योजना का लाभ काश्तकारों को नहीं मिल पा रहा है।

बेलेश्वर में उप जिला चिकित्सालय खोलने के लिए करेंगे आंदोलन

नई टिहरी(आरएनएस)। भिलंगना ब्लॉक के बेलेश्वर मंदिर में आयोजित बालगंगा वरिष्ठ नागरिक समिति की बैठक में उप जिला अस्पताल को लेकर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष चंदन सिंह पोखरियाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उप जिला अस्पताल की मांग को लेकर आगामी 16 मार्च को महापंचायत आयोजित करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि महापंचायत में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ ही आम जनता को अधिक से अधिक संख्या में आमंत्रित किया जाना चाहिए। तय किया गया कि महापंचायत में क्षेत्रीय विधायक को भी आमंत्रित किया जाएगा। समिति के सचिव उम्मेद सिंह चौहान ने कहा कि 16 मार्च को महापंचायत में आंदोलन की अग्रिम रणनीति पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि सीएचसी बेलेश्वर उप जिला अस्पताल के सभी मानक पूरे करता है इसलिए मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप शीघ्र ही उप जिला अस्पताल का जीओ जारी कर बेलेश्वर में उप जिला चिकित्सालय स्तर की सेवाएं शुरू की जानी चाहिए। इस मौके पर हुकम सिंह रावत, आनंद प्रसाद व्यास, विश्वेश्वर प्रसाद जोशी, इंद्र सिंह रावत, रोशन लाल जोशी, धर्म सिंह बिष्ट, भरत सिंह नेगी, केदार सिंह रौतेला, हर्षमणि उनियाल, देवेंद्र प्रसाद जोशी और विनोद लाल आदि मौजूद थे।

बेस चिकित्सालय में तीमारदारों के लिए व्यवस्था नहीं; पार्षदों व रेडक्रॉस ने जताई नाराजगी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा स्थित बेस चिकित्सालय में मरीजों के साथ आए तीमारदारों के लिए मूलभूत सुविधाओं के अभाव का मामला सामने आया है। अस्पताल में तीमारदारों को रात में जमीन पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई।

बताया गया कि विगत रात नगर क्षेत्र के पार्षद अमित साह मोनू, अर्जुन सिंह बिष्ट, अभिषेक जोशी और रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सनवाल ने अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि कई मरीजों के तीमारदार वार्डों के बाहर और गलियारों में जमीन पर सोने को मजबूर हैं। अस्पताल में उनके बैठने या सोने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं पाई गई। जनप्रतिनिधियों ने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोग अपने मरीजों के साथ कई दिनों तक अस्पताल में रहते हैं, लेकिन उनके लिए बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अस्पतालों में व्यवस्थाएं बेहतर करने का प्रयास कर रही है, लेकिन मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लापरवाही के कारण मरीजों के परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि तीमारदारों के लिए कम से कम बैठने और सोने की व्यवस्था होना जरूरी है। जब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक सामाजिक स्तर पर ही मदद करनी पड़ेगी। इसी क्रम में पार्षदों और रेडक्रॉस के प्रदेश उपाध्यक्ष ने अपने स्तर पर मरीजों के तीमारदारों के लिए एक दर्जन गद्दे खरीदकर अस्पताल को उपलब्ध कराए। गद्दे मिलने के बाद तीमारदारों ने राहत जताते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल प्रशासन से तीमारदारों के लिए स्थायी व्यवस्था करने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो इस मुद्दे को और मजबूती से उठाया जाएगा। मौके पर रेडक्रॉस के प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, पार्षद अमित साह मोनू, पार्षद अर्जुन सिंह बिष्ट, पार्षद अभिषेक जोशी, कृष्ण बहादुर सिंह, सरपंच अशोक सिंह, भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष त्रिलोक राम, नगर अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित मोर्चा सुधीर कुमार, ललित खोलिया और अभय बोरा मौजूद रहे।

गरुड़ में जैविक खेती की दी जानकारी

बागेश्वर(आरएनएस)। यू-कोस्ट के सहयोग से दूरस्थ गांव भतड़िया में जैविक खेती पर आधारित कृषि गोष्ठी हुई। इसकी शुरुआत करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डीएस रावत ने कहा कि बीमारियों को दूर भगाने के लिए जैविक खेती जरूरी है। हितैषी संस्था के तत्वाधान में भतड़िता गांव में किसानों को जैविक खेती के तरीके बताते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डीएस रावत ने कहा कि किसान अत्यधिक उपज लेने के लिए अंधाधुंध रासायनिक खादों व खरपतवारनाशकों का प्रयोग कर रहे हैं, जो कि बीमारियों को दावत दे रहे हैं। उन्होंने पशुधन को बढ़ाते हुए जैविक खेती करने की सलाह दी। प्रसिद्ध उद्यमी चंद्रशेखर पांडे ने मटका खाद, गोमूत्र आदि से किसानों को वर्मी कम्पोस्ट बनाने व बीज शोधन आदि की विधियां बताईं। उन्होंने लाल धान, काले धान, मडुवा, तुलसी चाय आदि की जानकारी देते हुए कहा कि जैविक खेती उच्च मूल्य आधारित कृषि है। कृषि विभाग के सुंदर प्रसाद ने जैविक खादों, बीजों व विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। संचालन हितैषी संस्था के सचिव डा. किशन राणा ने किया।

'सिरफिरों का घर' नाटक ने दर्शकों को गुदगुदाया

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में संस्कृति मंत्रालय केंद्र सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज और गढ़वाल विवि की ओर से पांच दिवसीय हिमाद्री नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में दूसरे दिन उदयपुर की मार्तण्ड फाउंडेशन की ओर से प्रस्तुत नाटक 'सिरफिरों का घर' का मंचन किया गया। नाटक में हास्य और सामाजिक संदेश का समन्वय देखने को मिला। लगभग 7० मिनट की अवधि वाले इस नाटक की कहानी एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है जिसमें आपसी नोकझोंक और हास्यपूर्ण स्थितियां दर्शकों को गुदगुदाती हैं। नाटक में हास्य के साथ-साथ मेवाड़ के वीर महाराणा प्रताप के चरित्र का भी प्रभावशाली चित्रण किया गया है। नाटक के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों और पारिवारिक प्रेम की महत्ता को भी रेखांकित करता है। नाटक का लेखन एवं निर्देशन विलास जानवे ने किया है। इसमें मनीष शर्मा, किरण जानवे, अमित मेनारिया, रेखा सिसोदिया और विलास जानवे ने अभिनय किया। संगीत समर्थ जानवे और भुवन शर्मा ने दिया जबकि मंच सज्जा धर्मेश शर्मा की रही। ध्वनि एवं प्रकाश का दायित्व रेखा सिसोदिया और अमित मेनारिया ने संभाला।

सीआईएसएफ ने मनाया 57वां स्थापना दिवस

चमोली(आरएनएस)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने 57वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। सीआईएसएफ के कमांडेंट विश्वनाथ आवुटी ने बल के इतिहास पर प्रकाश डाला। सीआईएसएफ का स्थापना दिवस विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना क्षेत्र पीपलकोटी में मनाया गया। टीएचडीसी के मुख्य महाप्रबंधक अजय वर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यूनिट कमांडर डिप्टी कमांडेंट विश्वनाथ आवुटी ने कहा कि देश भर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा में सीआईएसएफ का गौरवशाली इतिहास रहा है। बल ने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, सरकारी भवनों, औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा में लगातार व्यावसायिकता, साहस और समर्पण का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कर्तव्यों के प्रति उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण भाव दिखाने वाले कर्मियों की भी सराहना की।

मासिक समीक्षा में डीएम सख्त

बागेश्वर(आरएनएस)। जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति का गहन मूल्यांकन करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से ओवर स्पीडिंग और ओवरलोडिंग के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस विभाग और एआरटीओ को नियमित निरीक्षण कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, ताकि सड़क सुरक्षा के मानकों का प्रभावी पालन हो सके। जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शत-प्रतिशत राजस्व लक्ष्य हर हाल में पूरा किया जाए। साथ ही बिना फिटनेस के वाहन संचालन, बिना हेलमेट वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने वालों और स्कूली बसों की सघन जांच अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा सड़क निर्माण से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं को रोड सेफ्टी मानकों के अनुरूप स्पीड लिमिट बोर्ड और आवश्यक साइनेज लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला पंचायत को अंतिम चेतावनी जारी करते हुए शीघ्र राजस्व लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए, वहीं नगर निकायों को भी राजस्व वसूली में तेजी लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सस्ता गल्ला गोदामों और सरकारी योजनाओं के तहत वितरित किए जा रहे खाद्यान्नों की नियमित जांच और सैंपलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए, ताकि जनता तक गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री पहुंचे। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस विभाग को प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम, शिक्षा विभाग, अभियोजन विभाग और समाज कल्याण विभाग को पॉक्सो तथा एनडीपीएस अधिनियम के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए एक्टिविटी आधारित कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। वहीं आबकारी विभाग को अवैध शराब की तस्करी और बिक्री में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी एन. एस. नबियाल सहित सभी उपजिलाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सू- दोकू क्र.069

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 68 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

धारी देवी मंदिर में आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था स्थापित

हमारे संवाददाता

पौड़ी। चारधाम यात्रा पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रीनगर स्थित प्रसिद्ध धारी देवी मंदिर परिसर को आकर्षक वॉल वॉशर लाइटिंग से सजाया गया है। आधुनिक तकनीक से स्थापित की गई रंग-बिरंगी रोशनी से मंदिर परिसर रात के समय अत्यंत भव्य और मनमोहक दिखाई दे रहा है।

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि धारी देवी मंदिर एक पौराणिक एवं आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं तथा एक यादगार अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में उपजिलाधिकारी तथा पर्यटन विभाग को निर्देश दिए गए थे कि चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को और अधिक आकर्षक बनाया जाए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इसी क्रम में धारी देवी मंदिर परिसर में आधुनिक एवं प्रोग्रामिंग आधारित लाइटिंग व्यवस्था स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन चारधाम यात्रा को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इसी दिशा में यात्रा मार्ग के प्रमुख धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण तथा सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कार्य भी किए जा रहे हैं।

मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पाण्डेय ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धारी देवी मंदिर चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित एक प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और यात्रा के दौरान यह संख्या और भी बढ़ जाती है। ऐसे में मंदिर परिसर में स्थापित आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण के साथ एक सुंदर और आकर्षक अनुभव भी प्राप्त होगा। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि रंग-बिरंगी रोशनी से सजा मंदिर परिसर अब रात के समय अत्यंत आकर्षक दिखाई दे रहा है, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए यह एक नया आकर्षण बनेगा तथा क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली का टिहरी हाउस अमूल्य हैः उपाध्याय

संवाददाता

देहरादून। विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि दिल्ली का टिहरी हाउस दिल्ली का हृदय स्थल व अमूल्य है। आज यहां एक पत्र जारी करते हुए विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि उन का जानकारी मिली है कि दिल्ली के पांच भगवान दास मार्ग स्थित टिहरी हाउस को विक्रय किया जा रहा है यह स्थान सम्भवतः 1939 में टिहरी रियासत को तत्कालीन पेरामाउन्ट पावर ने आवंटित किया था। कालान्तर में टिहरी रियासत का विलय उत्तर प्रदेश में किया गया ये दिल्ली हृदय स्थल है और अमूल्य है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि राज्य सरकार को पांच भगवान दास रोड टिहरी हाउस को उसमें निवासित विक्रेताओं से बातचीत कर उत्तराखण्ड सरकार को राज्य हित में क्रय करना चाहिए और राज्य सरकार की तरफ से कोई अच्छा उपक्रम वहां पर स्थापित करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टिहरी सांसद टिहरी निवासियों की भावनाओं की रक्षा करेंगे।

मोहब्बेवाला चौक पर सीसीटीवी और चंद्रबनी चौक.. ◄◄ पृष्ठ 2 का शेष

कहा गया कि शहर में भारी वाहनों के प्रवेश के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जाए तथा पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए फुटपाथ और जेब्रा क्रॉसिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर लालचंद शर्मा ने कहा कि देहरादून में बढ़ता ट्रैफिक आम नागरिकों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। प्रशासन को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और लोगों को सुरक्षित यातायात व्यवस्था मिल सके।

वहीं पूर्व विधायक राजकुमार की ओर से भी सुझाव दिया गया कि स्कूलों के समय में प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए, ताकि जाम की स्थिति से बचा जा सके। ज्ञापन देने के दौरान दीप वोहरा, राजीव पुंज, रमेश कुमार मंगू, हरी प्रसाद भट्ट, अर्जुन सोनकर, मुकीम अहमद, राजेश शर्मा, सुनील बांगा, सुलतान पठान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य में खाद्य एवं रसद व्यवस्था की सतत निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष तैनाती

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में विभिन्न अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है।

आज यहां वैश्विक परिदृश्य में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने खाद्य एवं रसद आपूर्ति की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में विभिन्न अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की तैनाती तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक की गई है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन अधिकारियों और विशेषज्ञों की तैनाती का उद्देश्य प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की निरंतर निगरानी सुनिश्चित

करना है। इसके साथ ही खाद्य एवं रसद से संबंधित सूचनाओं का नियमित संकलन, उनका विश्लेषण तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार तैनात अधिकारी एवं विशेषज्ञ उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे। वे प्रतिदिन खाद्य एवं रसद की स्थिति की समीक्षा करेंगे, आवश्यक सूचनाओं का संकलन एवं विश्लेषण करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी परिस्थिति में खाद्यान्न, एलपीजी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए तथा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश में खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार सभी व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम से प्रदेश में खाद्य एवं रसद आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी तथा किसी भी संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में सहूलियत मिलेगी।

जिलाधिकारी ने कृषि विभाग की घेरबाड कार्यो का किया निरीक्षण

हमारे संवाददाता

टिहरी। जिलाधिकारी ने आज विकास खण्ड चम्बा के ग्राम कोटीगाड के नौलीखाला नामे तोक में जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हेतु कृषि विभाग द्वारा जिला योजना के तहत चेन लिंक फेन्सिंग (घेरबाड़) कार्यो का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराडी ने बताया कि घेरबाड कुल लम्बाई 226.10 मीटर है जो कि वित्तीय वर्ष-2025-26 में जिला योजना के अन्तर्गत कुल अनुमानित लागत-6.50 लाख रूपये से की गयी है। बता दे कि चेन लिंक फेन्सिंग (घेरबाड़) से 8 हेक्टेयर भूमि को सुरक्षित किया गया है ।

जिलाधिकारी से ग्रामीणों द्वारा सिंचाई गूल की मरम्मत व शेष छूटे स्थानों पर घेरबाड कराने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने जिला योजना में प्रस्तावित कर कार्य कराये जाने की बात कही ।

कृषि विभाग द्वारा इसी तोक में एक एकड़ भूमि पर लाईनिंग सिस्टम से गेहूँ की बुवाई की गयी है जिसका भी निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि गांवों के किसानो को इसी विधि से गेहूँ की फसल उगाने के लिए प्रेरित करें ताकि किसानो को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कृषि अधिकारी को किसानों को खाद व बीज समय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शीला देवी पूर्व प्रधान कृषि विभाग के कार्मिक एवं ग्रामीण कास्तकार उपस्थित रहे।

रसोई गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने गरीब का चूल्हा बुझाने का किया है कामः रौतेला

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि रसोई गैस के दाम बढाकर सरकार ने गरीब का चूल्हा बुझाने का काम किया है।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय देहरादून में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि आज महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत सबसे निम्न स्तर पर थी तब भाजपा सरकार ने उसकी राहत सस्ता पेट्रोल-डीजल करके जनता को क्यों नहीं दी? ज्योति रौतेला ने कहा कि जब समूचा विपक्ष संसद के दोनों सदनों में पश्चिम एशिया की स्थिति और उसके भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की मांग कर रहा है। तब भी मोदी सरकार ऐसी बहस की अनुमति देने से हठपूर्वक इनकार कर रही है। सरकार साफ तौर पर भयभीत दिख रही है। उसकी विदेश नीति पहले ही बुरी तरह से एक्सपोज हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका के प्रतिनिधि ये कह रहे है कि भारत को 30 दिन की अनुमति है रूस से तेल खरीदने की तो हमारे प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने सामने आकर इस बात का खंडन क्यों नहीं किया कि हमे किसी देश से अनुमति की जरूरत नहीं है। इसका खंडन ना करके भाजपा सरकार ने ये बता दिया कि वो ट्रम्प के अनुसार चल रहे हैं। उन्हें देश की 140 करोड़ जनता से कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित सभी भाजपा नेताओं ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में महंगाई कम करने का ढिंढोरा पीटते थे परन्तु उनके 12 साल के कार्यकाल में मंहगाई अपने चरम पर पहुंच गई है तथा आम आदमी उसके बोझ को सहन करने में असमर्थ हो गया है। ज्योति रौतेला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है कि रसोई गैस की कीमतों में तत्काल कमी की जाए और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। यदि सरकार जल्द ही इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाती है, तो जनता के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा। पत्रकार वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष नजमा खान, महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा ढौंडियाल, उपाध्यक्ष चन्द्रकला नेगी, जिलाध्यक्ष पूनम सिंह, प्रदेश महासचिव अनुराधा तिवाडी आदि उपस्थित थे।

मसूरी में होगी भारतीय क्रिकेट के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव की शादी

खेल, ग्लैमर और संस्कृति का 'अनोखा संगम'

●देशभर की नामचीन हस्तियां और स्टार क्रिकेटरों का देवभूमि पहुंचना हुआ शुरु
●पहाड़ों की रानी मसूरी एक भव्य शादी के स्वागत के लिए सजने-संवरने लगी
●समारोह में आने वाले मेहमानों को उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों परोसे जाएंगे

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ों की रानी मसूरी एक भव्य शादी के स्वागत के लिए सजने-संवरने लगी है। भारतीय क्रिकेट के स्टार स्पिनर की मसूरी में शादी होगी। शादी का यह समारोह मसूरी में खेल, ग्लैमर और संस्कृति का अनोखा संगम बनने जा रहा है, जिसका गवाह बनने के लिए देशभर की नामचीन हस्तियां देवभूमि पहुंचने वाली हैं।

जानकारी के अनुसार 13 और 14 मार्च को मसूरी में शादी से जुड़े सभी प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे। 13 मार्च को हल्दी समेत अन्य पारंपरिक रस्में निभाई जाएंगी, जबकि 14 मार्च की रात कुलदीप यादव और वंशिका सात फेरे लेकर वैवाहिक बंधन में बंध जाएंगे।

शादी समारोह में आने वाले मेहमानों को उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखने को मिलेगा। ताकी देवभूमि की संस्कृति और स्वाद का अनुभव मेहमानों तक पहुंचे।

देवभूमि उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में एक खास शादी समारोह की तैयारियां इन दिनों जोर-शोर से चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव की शादी को लेकर मसूरी में उत्साह का माहौल है। पहाड़ों की रानी स्थित एक होटल को इस भव्य शादी समारोह के लिए पूरी तरह तैयार किया जा रहा ह।

शादी समारोह में क्रिकेट जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल हो सकती हैं। संभावित मेहमानों की सूची में जय शाह, गौतम गंभीर, एमएस धोनी, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे नाम शामिल बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही बालीवुड से जुड़े कुछ चर्चित चेहरे भी इस शादी में शामिल होने की संभावना है।

मेधावी छात्रों का पूरा ध्यान, छात्रवृत्ति योजना 'वरदान'

प्रदेश में अभी तक 21 हजार से ज्यादा बच्चों को मिल चुका है लाभ

●राज्य सरकार ने बांटी 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ रुपये की छात्रावृत्ति
●मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में लाभान्वित हुए सर्वाधिक बच्चे

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए धामी सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है। यही वजह है कि अभी तक प्रदेश के 21 हजार 743 बच्चों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। इसमें मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में सबसे ज्यादा 17 हजार 852 मेधावी बच्चे लाभान्वित हुए हैं। धामी सरकार ने समस्त छात्रवृत्ति योजनाओं के पात्र मेधावी बच्चों में अभी तक 17 करोड़ 67 लाख 77 हजार तीन सौ की धनराशि वितरित की है।

प्रदेश में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के साथ ही डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना, श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कोर छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। इसके अलावा, प्रदेश से बाहर के सैनिक स्कूल में पढ़ रहे मेधावी छात्रों को भी धामी सरकार छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान कर रही है।

विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सदन में बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना में छह से 12 वीं तक के मेधावी बच्चों को 600 से लेकर 1200 रूपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। श्रीदेव सुमन राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 3289 मेधावी बच्चें लाभान्वित हुए हैं, जबकि डॉ शिवानंद नौटियाल स्मृति छात्रवृत्ति योजना में अभी तक 527 बच्चों को छात्रवृत्ति मिली हैं।

42 लाख की हेरोइन सहित नशा तस्कर दबोचा

हमारे संवाददता

देहरादून। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ की एएनटीएफ टीम को खासी सफलता हाथ लगी है। एएनटीएफ टीम ने थाना बंसत बिहार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से करीब 42 लाख रूपये की हेरोइन बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती रात एक सूचना के आधार पर एसटीएफ की एएनटीएफ टीम और थाना बसंत बिहार पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान संयुक्त टीम को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम गुफरान पुत्र स्वर्गीय फुरकान निवासी- आजाद कॉलोनी थाना पटेल नगर जनपद देहरादून, मूल निवासी- ग्राम कोट खादर थाना रायपुर सादत बिजनौर उत्तरप्रदेश बताया। बताया कि वह बरामद होरोइन को तरुण पाल उर्फ चीनू पता थाना पटेल नगर देहरादून से लेकर आया था जिसे उसके द्वारा फुटकर में जरूरतमंदो को बेचा जाना था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना बंसत बिहार में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

2 बसें भर संदिग्धों को लेकर थाने पहुंची पुलिस!

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाते हुए दो बसों में संदिग्धों को भर थाने लेकर आये और वहां पर 469 लोगों का सत्यापन किया।

आज यहां अपराध तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु वर्तमान में सम्पूर्ण राज्य में चलाये जा रहे ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्रों में बाहरी जनपदों/ राज्यों से आकर निवास कर रहे व्यक्तियों, किरायेदारों, अवैध रूप से निवासरत संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देशों के क्रम में आज पुलिस अधीक्षक, नगर के नेतृत्व में कोतवाली नगर के चौकी लक्ष्मण चौक क्षेत्रान्तर्गत गांधी ग्राम, न्यू पार्क रोड, गुरुद्वारा रोड तथा मालवीय नगर क्षेत्र में पुलिस तथा एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा व्यापक स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सम्पूर्ण क्षेत्र में पुलिस द्वारा 469 व्यक्तियों के सत्यापन की कार्यवाही की गई तथा किरायेदारों का सत्यापन न कराने वाले 92 मकान मालिकों के विरूद्ध 83 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए उन पर 09 लाख 20 हजार रूपये का जुर्माना किया गया।

इस दौरान क्षेत्र में संदिग्ध रूप से रह रहे 49 व्यक्तियों को धारा 172 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लेकर पूछताछ हेतु थाने पर लाया गया तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले 49 व्यक्तियों का 81 पुलिस एक्ट के अन्तर्गत चालान करते हुए 12250 रूपये का जुर्माना वसूला गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशो पर सम्पूर्ण जनपद में पुलिस द्वारा चलाया जा रहा सत्यापन अभियान निरन्तर जारी है। अभियान के दौरान की गयी कार्यवाही में कुल व्यक्ति जिनका सत्यापन किया गया की संख्या 469, बिना सत्यापन किरायेदारों को रखने वाले मकान मालिकों की संख्या 92, बिना सत्यापन किरायेदारों को रखने वाले मकान मालिकों का 83 पुलिस एक्ट के अन्तर्गत अध्यारोपित किया गया जुर्माना 920,000 रूपये, 81 पुलिस एक्ट के तहत जुर्माना किये गये व्यक्तियो की संख्या 49, 81 पुलिस एक्ट के तहत किया गया जुर्माना 12,250 रूपये, 172 बीएनएस के तहत 49 संदिग्धों थाने पर लाया गया।

ग्रामीण इलाकों में अब 45 दिन में होगी गैस सिलेंडर की बुकिंग !

प्रतिनिधि

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका-इजराइल की जंग का असर दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। भारत में एलपीजी सिलेंडर को लेकर कुछ जगह अव्यवस्था नजर आ रही है। इस बीच ये जानकारी आई है कि ग्रामीण इलाकों में अब एलपीजी सिलेंडर के लिए बुकिंग का समय 25 दिन से बढ़ाकर 45 दिन कर दिया गया है। जबकि शहरी इलाकों में सिलेंडर बुकिंग को लेकर कोई नई जानकारी नहीं है। ग्रामीण इलाकों में जहां गैस की बुकिंग अब 45 दिनों में कराई जा सकेगी, तो वहीं शहरी इलाकों में 25 दिन के अंदर ही सिलेंडर मिलेगा। कहा जा रहा है कि गैस की कमी से जुड़ी अफवाह को देखते हुए लोग जल्दी-जल्दी सिलेंडर भरवा रहे हैं।

इससे 2 दिन पहले केंद्र सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के मकसद से एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के नियम में बदलाव किए थे। एलपीजी गैस सिलेंडर की बुकिंग का समय बढ़ाकर 21 दिन की जगह 25 दिन किया गया था। दरअसल, मध्य एशिया में छिड़ी जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से एलपीजी गैस की सप्लाई पर असर पड़ा है।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से यह फैसला इसलिए लिया गया था क्योंकि घरेलू ग्राहक महज 15 दिनों के अंतराल के बाद एलपीजी सिलेंडर बुक करा रहे थे। यह बात सामने आई कि जो लोग पहले 55 दिनों में सिलेंडर बुक कराते थे, उन्होंने अब 15 दिनों में सिलेंडर बुक करना शुरू कर दिया

देश में गैस आपूर्ति के प्रभावित होने की खबरों के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने कल बुधवार को कहा था कि घरेलू रसोई गैस की जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडार है। लोगों को घबराहट में आकर सिलेंडर बुक करने की कोई जरूरत नहीं है। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि घरेलू रिफाइनरी कंपनियों ने भी एलपीजी उत्पादन 25 फीसदी तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा भारत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आपूर्ति बाधित होने के बाद नए स्रोतों से कच्चा तेल लेने में भी सफल रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कल कहा कि सरकार की कोशिश घरों तक निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।